क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 84, गुरुवार, 18 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

श्रीनगर में कोई भी 'मेगा पोल रैली' आयोजित करने में नाकाम रही पीडीपी

श्रीनगर । वर्ष 2014 के विधानसभा चुनावों के दौरान श्रीनगर में 8 में से 5 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के बावजूद महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) श्रीनगर लोकसभा सीट के लिए चुनावों क लिए प्रचार के दौरान जिला में कोई भी 'मेगा पोल रैली' आयोजित करने में नाकाम रही। महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर संसदीय सीट के बडगाम और गांदरबल जिलों के हिस्सों में प्रचार किया और पी.डी.पी. उम्मीदवार आगा मोहसीन के पक्ष में कई रैलियों को संबोधित किया। हालांकि, उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नेशनल कांफ्रैंस द्वारा श्रीनगर में तीन रैलियों का आयोजित किए जाने के बावजूद पी.डी.पी. श्रीनगर जिला में अपनी अनुपस्थिति के साथ स्पष्ट थी। पी.डी.पी. के एक नेता ने कहा कि श्रीनगर के पार्टी नेताओं में समय की कमी और महबूबा के विश्वास के कारण पार्टी ने उनके लिए मेगा रैली आयोजित नहीं करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि हमने श्रीनगर को नहीं छोड़ा। हमारे नेताओं ने श्रीनगर के लगभग सभी निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियों का आयोजन करके संबोधित किया। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनावों के बाद से पी.डी.पी. ने जिला में अपने पूर्व विधायकों में से दो को खो दिया। जड़ीबल निर्वाचन क्षेत्र से आबिद अंसारी पीपुल्स कांफ्रैंस में शामिल हो गए और अमीरा कदल निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व मंत्रिमंडल सदस्य सैयद अल्ताफ बुखारी अब लोकसभा चुनावों में नेशनल कांफ्रैंस उम्मीदवार फारुक अब्दुल्ला का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि, पी.डी.पी. के पास अभी भी दो पूर्व मंत्री मोहम्मद अश्रफ मीर और आसिया नकाश हैं। वहीं, पिछले साल जून महीने में पी.डी.पी.-भाजपा सरकार के गिरने के बाद से आसिया नकाश चुनाव प्रचार और पार्टी गतिविधियों के दौरान स्पष्ट रुप से अनुपस्थित रही हैं।

सेना के शौर्य का श्रेय लेने में जुटे भाजपा नेता: कमलनाथ

बालाघाट। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आज जमकर हमला बोलते हुए कहा कि फौज देश को सशक्त बनाती है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सेना के पराक्रम को अपना बताकर उसका लाभ लेने में लग हुए हैं। कमलनाथ ने जिले के बारासिवनी और हट्टा में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के नेता कहते हैं कि मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है, क्या पांच साल पहले देश सुरक्षित नही था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने एयर फोर्स और नेव्ही बनाई। उन्होंने कहा कि देश में डिफेंस ट्रेनिंग एकेडमी, मिल्ट्री स्कूल और आड्रिनेंस फैक्ट्री जैसी देन भी उसी समय की है। मुख्यमंत्री ने कहा की ये आंतकवाद की बात करते है, जबकि देश में सबसे ज्यादा आतंक भाजपा के राज में दी देखा गया है। उन्होंने कहा कि जब संसद पर आतंकी हमला हुआ तब वे सदन के अंदर ही थे, तब किसकी सरकार थी। मोदी के राज में देश में सबसे ज्यादा आतंकी हमले हुए, जिसमें हमारी सेनाओं तक को निशाना बनाया गया। कमलनाथ ने जहां मोदी पर मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के जरिये युवाओं के साथ छलावा करने का आरोप लगाया। वहीं, उन्होंने अपनी चुनावी सभा में गंगा सफाई के मुद्दे पर भी प्रधानमंत्री को घेरते हुए कहा कि देश की जनता ने आप को अच्छे से पहचान लिया है। नर्मदा को साफ करेगा। इस मौके पर प्रभारी मंत्री कमलेश्वर पटेल, खनिज मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कांवरे, कांग्रेस प्रत्याशी मधू भगत, पार्टी जिलाध्यक्ष विश्वेश्वर भगत, विधायक टाम लाल सहारे, विधायक संजय उईके सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अब केजरीवाल के पाले में गठबंधन की गेंद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच चले रहे गठबंधन की बात को आगे बढ़ाने और अंतिम निर्णय के लिए आप मुखिया व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने सांसद संजय सिंह को कांग्रेस से बात करने के लिए अधिकृत किया है। केजरीवाल ने यह फैसला उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और संजय सिंह से मीटिंग के बाद सुनाया। संजय सिंह पहले से ही गठबंधन को लेकर कांग्रेस से बात तो रहे थे लेकिन, वह पूरी तरह से कोई निर्णय ले सकने की स्थिति में नहीं थे और न तो इसके लिए वे अधिकृत थे। इसके साथ ही कांग्रेस ने गठबंधन की गेंद अब केजरीवाल के पाले में फेंक दी है। कांग्रेस की मानें तो अब निर्णय आप मुखिया को लेना है। कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी ने अपनी स्थिति साफ कर दी है। इस बाबत वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस 4-3 के फार्मूले पर गठबंधन को तैयार है। कहा, कांग्रेस ने गठबंधन पर सहमति जताते हुए अपना बड़ा दिल दिखाया है। रणदीप ने केजरीवाल पर लुका-छिपी का खेल खेलने का आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। अब फैसला आम आदमी पार्टी को लेना है। सुरजेवाला ने पिछले सप्ताह ही कहा था कि आप से गठबंधन सिर्फ दिल्ली में हो सकता है अन्य राज्यों में नहीं। दरअसल आम आदमी पार्टी चाहती है कि कांग्रेस से गठबंधन दिल्ली के अलावा हरियाणा और चंडीगढ़ में भी होना चाहिए। बता दें, 12 मई को होने वाले मतदान के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ऐसी स्थिति में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन का पेंच फंसा हुआ है। आम आदमी पार्टी केवल दिल्ली में गठबंधन करने के लिए दो से अधिक सीटें नहीं देगी। पार्टी ने कहा कि वह कांग्रेस के साथ आगे चर्चा करने के लिए तैयार है और इस मामले को आगे बढ़ाने के लिए एक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। आप सूत्रों ने कहा कि अगर कांग्रेस केवल दिल्ली में गठबंधन चाहती है तो उसे 5:2 के अनुपात में होना चाहिए और यदि गठबंधन को दिल्ली और हरियाणा दोनों के लिए किया जाता है तो राष्ट्रीय राजधानी में अनुपात 4-3 और 6-3 हो सकता है। गोपाल राय ने कहा कि इस बैठक में यह तय किया गया।

मोदी कर रहे हैं राष्ट्र विरोधी कामः राहुल गांधी

कन्नूर (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कांग्रेस को राष्ट्र विरोधियों का समर्थक करार देने संबंधी आरोप पर बुधवार को पलटवार करते हुए कहा कि यह मोदी ही हैं जो राष्ट्र विरोधी कार्य करके देश को विभाजित कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि इस बार लोक सभा चुनाव में तीन प्रमुख मुद्दे हैं, ध्वस्त अर्थव्यवस्था और भारी बेरोजगारी, किसानों की आत्महत्या तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भ्रष्टाचार। राहुल गांधी ने उत्तर मालाबार के संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के नेताओं के साथ यहां आयोजित बैठक के इतर संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि कांग्रेस और इसके सहयोगी इस चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेंगे तथा केंद्र में अगली सरकार का गठन करेंगे। उन्होंने मोदी के कांग्रेस पर राष्ट्र विरोधियों का समर्थक होने के आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, यह प्रधानमंत्री (मोदी) थे जिन्होंने राष्ट्र को विभाजित करने वाले कार्य करके राष्ट्र विरोधी काम कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि मोदी को बहाने बनाने बंद करने चाहिए तथा भारी बेरोजगारी, कृषि व्यवस्था के ठप होने तथा भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के भ्रष्टाचार पर विपक्ष के उठाए सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, राष्ट्र पर हमला करने वाली ताकतों के खिलाफ लडने में हमारा अनुकरणीय रिकॉर्ड है। हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंजाब और उत्तर-पूर्वी राज्यों में माओवादियों और आतंकवादियों जैसे देशद्रोहियों के हमलों में अपनी जान गंवा दी। इस बैठक में कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक, के. सी. वेणुगोपाल, वेणुगोपाल, उम्मन चांडी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मुल्लापल्ली रामचंद्रन, यूडीएफ उम्मीदवार के सुधाकरन और राजमोहन उन्नीथन तथा अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

लोकसभा चुनावः अन्नाद्रमुक को 36, भाजपा को 27 सीटें बचाने की चुनौती

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम चुनाव के दूसरे चरण में को जिन 95 सीटों पर मतदान होगा उनमें से पिछले चुनाव में अन्नाद्रमुक ने 36 और भारतीय जनता पार्टी ने 27 जीतें थीं जिन्हें बरकरार रखना उनके लिए कड़ी चुनौती है। दूसरे चरण में कुल 97 सीटों पर मतदान होना था लेकिन तमिलनाडु की वेल्लूर सीट पर चुनाव रद्द कर दिया गया है जबकि त्रिपुरा पूर्वी सीट पर चुनाव आगे बढ़ा दिया गया है। इस चरण में जिन प्रमुख नेताओं और हस्तियों के भाग्य का फैसला होगा उनमें केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशील कुमार शिंदे, हेमामालिनी, राज बब्बर, तारिक अनवर और कार्ति चिदम्बरम शामिल हैं। दूसरे चरण में तमिलनाडु में अब 38 सीटों पर कल मतदान होगा। पिछले चुनाव में अन्नाद्रमुक ने 39 सीटों में से 37 सीटों पर कब्जा किया था जबकि एक सीट पर पीएमके और एक पर भारतीय जनता पार्टी जीती थी। अन्नाद्रमुक ने पिछला चुनाव राज्य की मुख्यमंत्री रही जयललिता के नेतृत्व में लड़ा था जिनका निधन हो गया है। जयललिता के बिना अन्नाद्रमुक के लिए पिछला प्रदर्शन दोहराना बहुत मुश्किल दिखाई दे रहा है। इस चरण में तमिलनाडु के बाद कर्नाटक में सबसे अधिक 14 सीटों पर चुनाव होंगे। पिछले चुनाव में इनमें से छह-छह सीटों पर भाजपा और कांग्रेस जीती थी जबकि दो सीटों पर जद (एस) जीती थी। यह चुनाव कांग्रेस और जद (एस) मिलकर लड़ रहे हैं। महाराष्ट्र की 10 सीटों पर कल मतदान होगा जिनमें से चार भाजपा और चार शिवसेना के पास है। कांग्रेस ने दो सीटें जीती थीं। सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की जिन आठ सीटों पर वोट डाले जाएंगे उन सभी पर भाजपा का कब्जा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की इन सीटों पर कब्जा बरकरार रखने के लिए भाजपा को समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के गठबंधन के साथ ही कांग्रेस की चुनौती से पार पाना होगा। उत्तर प्रदेश के पड़ोसी राज्य बिहार में जिन पांच सीटों पर गुरुवार को वोट डाले जाएंगे उन सभी सीटों पर भाजपा को पिछली बार हार का सामना करना पड़ा था।

चुनाव आयोग की सख्ती के बाद टिवटर ने हटाया योगी का वायरस

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग की सख्ती के बाद माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर भी हरकत में आ गई है। चुनाव आयोग के निर्देश पर ट्विटर इंडिया ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वायरस वाले ट्वीट को भारत में दिखने पर रोक लगा दी है। यही नहीं, जानकारी के मुताबिक, ट्विटर इंडिया ने बीजेपी नेता गिरिराज सिंह, एमएलए मनजिंदर सिंह सिरसा, अभिनेत्री कोयना मित्रा के सांप्रदायिक प्रकृति के 34 ट्वीट के खिलाफ ऐक्शन लेते हुए या तो उन्हें अपनी साइट से हटा दिया है या फिर उसे भारत में दिखने पर रोक लगा दी है। इससे पहले चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के केरल के इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को वायरस के समान बताने वाले ट्वीट पर संज्ञान लिया था। योगी ने इस ट्वीट में लिखा था, मुस्लिम लीग एक वायरस है। एक ऐसा वायरस जिससे कोई संक्रमित हो गया तो वो बच नहीं सकता और आज तो मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ही इससे संक्रमित हो चुका है। सोचिये अगर ये जीत गए तो क्या होगा ? ये वायरस पूरे देश मे फैल जाएगा। एक अन्य ट्वीट में योगी आदित्यनाथ ने लिखा, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में मंगल पांडे के साथ पूरा देश अंग्रेजों के खिलाफ मिल कर लड़ा था, फिर ये मुस्लिम लीग का वायरस आया और ऐसा फैला कि पूरे देश का ही बंटवारा हो गया। आज फिर वही खतरा मंडरा रहा। हरे झण्डे फिर से लहर रहे। कांग्रेस मुस्लिम लीग वायरस से संक्रमित है, सावधान रहिए। बता दें कि पूर्व में वायनाड से राहुल गांधी के नामांकन के दौरान बड़ी संख्या में मुस्लिम लीग के नेता भी उनके रोड शो में शामिल हुए थे। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की स्थापना मोहम्मद अली जिन्ना ने की थी। सीएम योगी के इस ट्वीट के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया जताई थी। इसकी शिकायत भी चुनाव आयोग से की गई थी। अब इस ट्वीट को ट्विटर ने भारत में दिखने से रोक दिया है। ट्वीट पर क्लिक करने पर मेसेज आ रहा है, योगी आदित्यनाथ के इस ट्वीट को कानूनी मांग पर भारत में दिखने पर रोक लगा दी गई है। बताया जा रहा है कि योगी के अलावा गिरिराज सिंह, एमएलए मनजिंदर सिंह सिरसा, अभिनेत्री कोयना मित्रा और पूर्व सैन्य अधिकारी सुरेंद्र पूनिया के कुछ ट्वीट को भी हटाया गया

परंपरा और रीति-रिवाजों का सम्मान करती है : कांग्रेस

पथानामथिट्टा। सबरीमला पर सर्वोच न्यायलाय के फैसले के बाद उपजे विवाद पर अप्रत्यक्ष रुप से बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि पार्टी लोगों के रीति-रिवाज और परंपरा का पूरा सम्मान करती है। श्री गांधी ने यहां चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस कभी भी लोगों को उनकी परंपरा को मानने से नहीं रोकती है, हालांकि इससे किसी भी प्रकार की हिंसा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, लोगों को अपनी परंपरा और आस्था का सम्मान करने का पूरा अधिकार है। मैं इस मुद्दे को पूरी तरह से केरल के लोगों के ऊपर छोड़ता हूं। लेकर उन्होंने कहा कि केरल सरकार बाढ़ पीड़ित लोगों की हर संभव सहायता करे। कांग्रेस अध्यक्ष यूडीएफ के पथानामथिट्टा लोकसभा सीट से उम्मीदवार एंटो एंटनी के समर्थन में प्रचार करने आये श्री गांधी ने बसद में हेलीकॉप्टर के जरिए पाला के लिए ।

राहुल और ममता पर बरसे शाह, पूछा- घुसपैठियों से आपका क्या है रिश्ता?

नेशनल डेस्क (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के जरिए अवैध प्रवासियों की पहचान करने के सरकार के कदम की आलोचना करने को लेकर विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा। शाह ने महाराष्ट्र में सांगली जिले के तासगांव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को घुसपैठियों के मानवाधिकारों की अधिक चिंता है। भाजपा अध्यक्ष ने भाजपा उम्मीदवार संजय काका पाटिल के लिए प्रचार करते हुए कहा कि हम देश में घुसपैठ पर लगाम कसने के लिए नागरिकता (संशोधन) विधेयक लाए, 40 लाख घुसपैठियों को असम से हटाने की रणनीति है। राहुल गांधी, सोनिया, शरद पवार और ममता बनर्जी ने इसे लेकर प्रधानमंत्री का विरोध किया। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या घुसपैठिए उनके रिश्तेदार हैं? विपक्षी दलों को घुसपैठियों के मानवाधिकारों की अधिक चिंता है। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए देश में आते हैं, बम विस्फोट करते हैं, कानून व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं, तो हमारे लोगों और जवानों के मानवाधिकारों का क्या? शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और राकांपा प्रमुख शरद पवार की आलोचना करते हुए कहा कि जब वे सत्ता में थे, तब उन्होंने गरीबों के लिए क्या किया। गांधी परिवार ने कई वर्षों तक देश पर शासन किया और पवार ने दो दशकों से अधिक समय तक महाराष्ट्र पर शासन किया, लेकिन उन्होंने समाज की भलाई के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने भाजपा के फिर से सत्ता में आने का भरोसा जताते हुए कहा कि उनका दल देश की सुरक्षा और अखंडता से कभी समझौता नहीं करेगा। भाजपा अध्यक्ष ने नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला के कश्मीर के लिए अलग प्रधानमंत्री संबंधी सुझाव पर कहा कि वे देश को तोड़ने की बात कर रहे हैं। क्या मुझे शरद पवार और राहुल गांधी से यह पूछना चाहिए कि 'क्या आपको यह स्वीकार है? शाह ने पूछा कि वे गांधी परिवार के लंबे समय से सलाहकार सैम पित्रोदा के इस बयान से सहमत हैं कि कुछ आतंकवादियों की करतूतों के लिए पूरे देश (पाकिस्तान) को जिम्मेदार ठहराना गलत है। उन्होंने राजग सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि उसने सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया। यह मांग पिछले 40 वर्षों से की जा रही थी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पिछले पांच साल में राजग सरकार ने महाराष्ट्र के लिए 1.15 लाख करोड़ रुपए की निधि जारी की। हमारी सरकार ने 3700 करोड़ रुपए का कृषि रिण माफ किया। जिन किसानों को तकनीकी कारणों से यह लाभ नहीं मिल सका उन्हें चुनाव के बाद यह लाभ मिल जाएगा।

नोटबंदी घोटाले के समय चौकीदार क्यों सोया हुआ थाः सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि नोटबंदी के बाद भाजपा के नेताओं और सरकारी तंत्र के कुछ लोगों की मदद से 40 फीसदी कमीशन पर पुराने नोट बदले गए। पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने कुछ स्टिंग वीडियो जारी करते हुए यह सवाल भी किया कि जब देश में 'नोटबंदी घोटाला चल रहा था तब देश का चौकीदार क्यों सोया हुआ था ? इन वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है तथा सिब्बल के आरोप पर फिलहाल भाजपा की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिब्बल ने गत नौ अप्रैल को भी नोटबंदी पर कैबिनेट सचिवालय में कार्यरत रहे राहुल रथरेकर नामक व्यक्ति का स्टिंग जारी कर भाजपा पर हमला बोला था। उन्होंने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, ''नौ अप्रैल को हमने जो खुलासा किया था उसको लेकर कैबिनेट सचिवालय ने भी एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि कर दी कि रथरेकर उसके साथ काम करता था और उसे हटाया गया था। सवाल है कि दो साल बाद रथरेकर की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? कांग्रेस नेता ने नए स्टिंग वीडियो जारी कर यह दावा किया कि इसमें भाजपा का एक नेता और मुंबई का एक डीसीपी पुराने नोट बदलवाने के लिए हामी भरता है तथा यह बातचीत मंत्रालय भवन में हुई। सिब्बल ने सवाल किया, ''जब यह सब हुआ तो चौकीदार सो क्यों रहा था? इस मामले में जांच का न होना ये दर्शाता है की इस लूट में शामिल लोगों की सुरक्षा की जा रही है।

अपनी ही पार्टी से नाराज प्रियंका चतुर्वेदी, कहा- गुंडों को मिल रही तरजीहो

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि जिन कार्यकर्ताओं ने पाटी के लिए खून पसीना बहाया उन्हें महत्व दिए जाने की बजाय पार्टी में गुंडे बदमाशों को तरजीह दी जा रही है जिससे वह बहुत आहत हैं। चतुर्वेदी ने उत्तरप्रदेश के मथुरा में प्रेस कांफ्रेंस में उनके साथ हुए दुर्व्यवहार का हवाला देते हुए बुधवार को ट्वीट किया कि वह इस बात से क्षुब्ध हैं कि पार्टी को मजबूत बनाने में जिन लोगों ने खून पसीना बहाया उनको नजर अंदाज किया जा रहा है। उन्होंने खुद पार्टी के लिए गाली गलोज और अपमान सहा लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी के भीतर ही उन्हें धमकियां देने वालों पर कोई कारवाई नहीं की गयी है। उन्होंने एक महिला पत्रकार के उस ट्वीट को रिट्वीट करते हुए यह बात कही जिसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने पहले उन नेताओं को निलम्बित किया जिन्होंने कुछ दिन पूर्व मथुरा में पार्टी प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी के साथ दुर्व्यवहार किया लेकिन कुछ दिन बाद उनके निलम्बन को रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही प्रदेश कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति के उस पत्र को भी पोस्ट किया गया है जिसमें कहा गया है कि चतुर्वेदी मथुरा में जब राफेल मुद्दे को लेकर प्रेस कांफ्रेंस कर रही थी उसी दौरान पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उनके साथ बदसलूकी की। उनकी शिकायत पर उन कार्यकर्ताओं के साथ अनुशासनात्मक कारवाई की लेकिन बाद में उनके खिलाफ की गई कारवाई को यह कहते हुए निरस्त किया गया ।

संपादकीय

राजनीति में भलमनसाहत

चुनाव के मौसम में एक नेता का दूसरे नेता के बारे में अपशब्द कहना जितना आसान और दुखद है, उतना ही दुर्लभ और सुखद है एक नेता का दूसरे नेता से हालचाल पूछना। राजनीति में चुनाव को चोट करने का समय माना जाता है। जो दूसरे को ज्यादा से ज्यादा चोट पहुंचा सकता है, वही असली चुनावी वीर है। प्रचलित राजनीति में कहा जाता है, विरोधियों को वार करने का मौका न दें। विरोधियों को जहां पाएं, वहीं निपटाएं। आरोप के जवाब में प्रत्यारोप, आलोचना के जवाब में अपशब्द और फिर बदले का सिलसिला। बहरहाल, बीच चुनाव में कुछ अहम प्रश्न खड़े हो रहे हैं, क्या भारतीय राजनीति में एक-दूसरे के प्रति मानवीय भावनाओं का प्रदर्शन कमजोरी है? क्या भारतीय राजनीति विपक्षियों के लिए केवल बुरे की कामना करती है? यह किसी खुशी से कम नहीं है कि भारतीय राजनीति के उत्तरोत्तर स्याह होते चेहरे को रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी भलमनसाहत से थोड़ा साफ किया है। वह अस्पताल में भर्ती घायल पूर्व विदेश राज्य मंत्री व कांग्रेस नेता शशि थरूर का हाल जानने अस्पताल पहुंच गईं। चुनाव के समय में केवल छत्तीस का आंकड़ा पाले बैठे अनेक लोगों और नेताओं को अजीब लगा होगा, लेकिन वास्तव में यही मानवीयता का तकाजा है कि शारीरिक या व्यक्तिगत कष्ट के समय सभ्य मानवों को साथ खड़े होना चाहिए। जहां जितना संभव हो, किसी के दुख में साथ खड़े होना सभ्यता की निशानी है। बेशक, किसी को अपशब्द कहना, किसी के लिए द्वेष रखना भी हिंसा ही है। जो लोग बांटने, चरित्रहनन करने और अपशब्दों की राजनीति करते हैं, उन पर लगाम लगनी ही चाहिए। चुनाव आयोग को इस बात पर गौर करना चाहिए कि किसी भी चुनाव से देश और खराब होकर न निकले। सही चुनाव वही है, जिससे देश पहले से ज्यादा सुधरा हुआ महसूस हो। चुनाव आयोग को कतई मूकदर्शक नहीं बनना चाहिए। उसने कुछ नेताओं के खिलाफ जो जरूरी सांकेतिक कार्रवाई की है, उसका स्वागत हर भारतीय को करना चाहिए। नेताओं के लिए चुनाव दबाव और तनाव का समय है, लेकिन उन्हें अपशब्द, असभ्यता, दुर्व्यवहार, गलत उद्धरण, विद्वेष, भेदभाव फैलाने की छूट नहीं दी जा सकती। खुशी की बात है कि सुप्रीम कोर्ट अब चुनाव आयोग की शक्ति बढ़ाने पर विचार करेगा। चुनाव आयोग के पास शक्तियां अभी भी हैं, लेकिन उन शक्तियों को ज्यादा विस्तृत, व्यवस्थित और प्रभावी बनाने की जरूरत है, ताकि आवश्यकता के समय चुनाव आयोग साहस के साथ लोकतंत्र और संविधान के हित में तत्काल फैसला ले सके। ऐसा सशक्त चुनाव आयोग जरूरी है, जो उन नेताओं को सबक सिखाए, जो चुनाव में असली मुद्दों से भटककर न केवल अनर्गल बोलने लगते हैं, बल्कि व्यक्ति व समाज को तोड़ने-बांटने-अपमानित करने लगते हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए, इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू देश के लोग भी हैं। कुछ अध्ययन यह बताते हैं, नेता चर्चा में रहने या आने के लिए अनर्गल या अपशब्द कहते हैं। अत- इस मोर्चे पर समाज की जिम्मेदारी बनती है कि वह नेताओं के ऐसे बयानों की हर संभव तरीके से निंदा करे और ऐसे नेताओं को सबक सिखाए। सचेत रहें, हम देश के लोग सभ्य राजनीतिक संस्कृति निर्माण का काम केवल राजनेताओं पर नहीं छोड़ सकते।

ट्वीट शर्म

नेताओं में अभी कम से कम इतनी शर्म तो बची हुई है कि चुनाव आयोग की पाबंदी को मान रहे हैं। प्रचार नहीं कर रहे हैं। वर्ना पलट कर यह भी पूछ सकते थे कौन सा चुनाव आयोग? कैसा चुनाव आयोग?

अखिलेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

गोली से भी घातक है विभाजनकारी बोली

दरअसल/ राजकुमार सिंह

सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव प्रचार के दौरान आपत्तिजनक आरोप-प्रत्यारोप और टीका-टिप्पणियों की कीचड़ उछाल स्पर्धा में लगे राजनेताओं के चलते विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए शायद यही दिन देखना शेष रह गया था, जब नेताओं के बोलने पर ही पाबंदी लगा दी जाये। देश की सर्वोच्च अदालत के सख्त रुख के बाद ही सही, चुनाव आयोग को अपनी जिम्मेदारी-जवाबदेही का अहसास हुआ और उसने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी और बड़बोले सपा नेता मोहम्मद आजम खान पर अलग-अलग समय सीमा के लिए न सिर्फ चुनाव प्रचार, बल्कि मीडिया को इंटरव्यू देने और ट्वीट करने तक पर पाबंदी लगा दी। ये छुटभैये नेता नहीं हैं। योगी देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री हैं तो मायावती तीन बार उसी प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। मेनका गांधी दूसरी बार केंद्र सरकार में मंत्री हैं। आजम खान पहले मुलायम सिंह यादव और फिर उनके बेटे अखिलेश यादव की सरकार में दबंग मंत्री रह चुके हैं। इन सभी के पास लंबा राजनीतिक अनुभव है। अपने-अपने समर्थक वर्गों में बड़ी संख्या में युवा राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए ये रोल मॉडल भी होंगे ही, पर क्या इन्होंने कभी सोचा भी है कि अपने आचरण से वे कैसा आदर्श पेश कर रहे हैं? भाजपा पर विभाजनकारी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश में (एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे) सपा-बसपा-रालोद का गठबंधन हुआ है। अल्पसंख्यक बहुल देवबंद में आयोजित गठबंधन की पहली ही साझा रैली में मायावती ने जिस तरह मुसलमानों से वोट विभाजन से बचने और एकतरफा वोट करने की अपील की, वह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन ही नहीं, बल्कि भारत के संविधान की अवमानना भी है, जो नागरिकों में जाति-धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करने की बात कहता है। ऐसा नहीं है कि मायावती यह नहीं जानतीं, पर दूसरे राजनेताओं की तरह वह यह भी जानती हैं कि चुनाव आयोग नसीहत देने के सिवाय कुछ नहीं करेगा। यह भी कि ऐसी नसीहतों, जिन्हें कभी-कभी फटकार का नाम भी दे दिया जाता है, से समर्थक वर्ग पर नकारात्मक के बजाय सकारात्मक प्रभाव ही पड़ता है। माया के बाद बारी योगी की थी, जिन्होंने 9 अप्रैल को मेरठ में कहा कि अगर सपा-बसपा-कांग्रेस को अली पर भरोसा है तो उन्हें बजरंग बली पर भरोसा है। हम ईश्वर को जिस भी नाम-रूप में मानें, जिस भी धर्म का पालन करें, यह कल्पना भी मुश्किल है कि ईश्वर या धर्म पर किसी खास जाति-वर्ग का कॉपीराइट हो सकता है। पर संत कहे जाने वाले योगी आदित्यनाथ ने कम से कम बजरंग बली के मामले में तो यह भी कर दिखाया। यह कैसे संभव था कि योगी की इस टिप्पणी का मायावती जवाब नहीं देतीं। 13 अप्रैल को जवाब आया भी - बजरंग बली दलित हैं, अब तो बजरंग बली भी हमारे हैं और अली भी। अक्सर मजाक में कहा जाता था कि जिसे अपनी सात पुश्तों का पता न हो, वह चुनाव लड़ ले, विरोधी सब कुछ खोज लायेंगे, लेकिन यहां तो हमारे राजनेता ईश्वरीय रूपों की भी जाति खोज लाये। इस बीच मेनका भी बोलीं, जो अपने बेटे वरुण गांधी को अपेक्षाकृत सुरक्षित समझी जाने वाली अपनी पीलीभीत सीट भेजकर खुद इस बार उनकी सुल्तानपुर सीट से चुनाव लड़ रही हैं। अल्पसंख्यक वर्ग और भाजपा के रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं। यह आम धारणा है कि अल्पसंख्यक वर्ग भाजपा को हरा सकने वाले उम्मीदवार को ही वोट देता है। बेशक यह किसी भी सभ्य समाज और स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सुखद स्थिति नहीं कही जा सकती, लेकिन अपनी जीत का विश्वास जताते हुए मेनका ने जिस तरह अल्पसंख्यकों को चेतावनी दी कि अगर वोट नहीं दिया तो फिर देखना मैं क्या करती हूं, मैं कोई महात्मा गांधी नहीं हूं—वह हर दृष्टि से आपत्तिजनक ही माना जायेगा। एक जिम्मेदार राजनीतिक दल और नेता का यह दायित्व भी है कि अपने प्रति किसी भी तरह की शंका-आशंका का निवारण करते हुए समाज के सभी वर्गों का विश्वास जीते, लेकिन हमारे राजनीतिक दलों-नेताओं को समाज को जोड़ने के बजाय जाति-धर्म के आधार पर बांट कर ध्रुवीकरण की राजनीति ज्यादा आसान और कारगर लगती है, और चुनाव-दर-चुनाव वही जोर पकड़ रही है। आम लोकप्रिय गीतों में से एक है - मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, लेकिन लगता है कि हमारी राजनीति ने नफरत फैलाने के अलावा न कुछ सीखा है और न ही कुछ सिखा रही है। चार बड़े नेताओं की बोलती बंद कर दिये जाने के बावजूद हमारे राजनेता सुधरने को तैयार नहीं हैं। इसकी पुष्टि पंजाब के मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के 16 अप्रैल को बिहार के कटिहार में दिये भाषण से होती है। महागठबंधन उम्मीदवार तारिक अनवर के समर्थन में प्रचार के दौरान सिद्धू ने अल्पसंख्यकों को याद दिलाया कि 62 प्रतिशत आबादी के साथ वे वहां बहुसंख्यक हैं और यह बात उन्हें भूलनी नहीं चाहिए। अब आदर्श चुनाव आचार संहिता पर लौटते हैं। ऊपर हमने आजम खान का जिक्र किया था। अपनी बेलगाम भड़काऊ टिप्पणियों के लिए जाने, जाने वाले (और शायद इसीलिए समाजवादी पार्टी को उपयोगी अल्पसंख्यक चेहरा लगने वाले) आजम ने इस बार शालीनता की भी तमाम हदें पार कर दीं। सपा की भी सांसद रह चुकीं फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा का आजम खान से छत्तीस का आंकड़ा रहा है। अमर सिंह के साथ ही सपा से बाहर आ गयीं जयाप्रदा इस बार भाजपा के टिकट पर रामपुर से लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं, जहां से आजम सपा-बसपा-रालोद गठबंधन के उम्मीदवार हैं। 14 अप्रैल को आजम ने जया के बारे में जो टिप्पणी की, उसकी अभद्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसे यहां लिखना भी उचित नहीं लगता। स्वाभाविक ही इसकी चौतरफा आलोचना हुई। सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती के बाद चुनाव आयोग की तंद्रा भी टूटी, पर आजम तो आजम हैं। 16 अप्रैल को फिर बोले - चुनाव के बाद कलक्टरों से मायावती के जूते साफ करवायेंगे। यह भाषा उस नेता की है जो देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कई बार मंत्री रह चुका है। आजम पर पाबंदी के बाद उनके बेटे की टिप्पणी और भी चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा कि मुसलमान होने के नाते पाबंदी लगायी गयी। इसी तरह मायावती की अनुपस्थिति में प्रचार की कमान संभालते हुए उनके भतीजे ने कटाक्ष किया कि ऐसे देंगे आयोग को जवाब। दरअसल हमारे राजनेताओं का यह आचरण विशुद्ध वोट बैंक राजनीति से प्रेरित तो है ही, खुद को हर जिम्मेदारी-जवाबदेही से ऊपर मानने की मानसिकता का परिचायक भी है। ये चार तो बोलने पर पाबंदी की वजह से मिसाल बन गये, वरना बिगड़े बोल वाले नेताओं की फेहरिस्त बहुत लंबी है। सच तो यह है कि ऊलजलूल टिप्पणियां कर समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया की सुर्खियां बटोरने और उनसे अपने वोट बैंक को गोलबंद करने के खतरनाक खेल में जुटे राजनेताओं में एक स्पर्धा-सी चल रही है। इसी स्पर्धा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुलवामा और बालाकोट के नाम पर वोट मांग कर सेना के शौर्य का राजनीतिकरण करने में कुछ भी गलत नहीं लगता तो कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी देश की सर्वोच्च अदालत की टिप्पणियों की मनमानी व्याख्या करते हुए प्रधानमंत्री के विरुद्ध 'चौकीदार चोर है' के नारे लगाते देश भर में घूम रहे हैं, जिस पर उनसे जवाब भी तलब किया गया है। चुनाव-दर-चुनाव हमारे राजनीतिक दलों-नेताओं की प्रतिष्ठा जिस तेजी से गिरती जा रही है, उसके मद्देनजर उनसे किसी आदर्श आचरण की अपेक्षा तो अब रही नहीं, लेकिन संविधान और आदर्श आचार चुनाव संहिता के प्रति तो उन्हें सम्मान का भाव दिखाना ही चाहिए। संविधान और आदर्श चुनाव आचार संहिता के प्रति अवमानना का यह भाव उस देश में तो और भी चिंताजनक संकेत है, जिसे विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है और जिसकी चुनाव प्रक्रिया की विदेशों में बड़ी साख है। इस साख का भी तकाजा है कि चुनाव आयोग तथा दूसरी संस्थाएं सत्तामुखी बने रहने के बजाय स्वयं ही अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह करने के प्रति प्रतिबद्धता दिखायें। बेशक चुनाव आयोग के अधिकारों की बाबत भी निर्णायक सोच और फैसले का समय आ गया है, पर उससे भी जरूरी इच्छाशक्ति है। नहीं भूलना चाहिए कि सीमित अधिकारों के साथ ही टी. एन. शेषन ने चुनाव आयुक्त रहते हुए राजनीतिक दलों-नेताओं की किस तरह नकेल कस दी थी।

ज्ञान गंगा

बुद्धिमान

जग्गी वासुदेव

स्मार्ट होना और बुद्धिमान होना, ये दो अलग अलग बातें हैं। 25 साल पहले, किसी के बारे में बात करते हुए, हम उसे बुद्धिमान कहते थे। लेकिन आजकल, अलग शब्दों का प्रयोग होता है। आजकल कोई परवाह नहीं करता कि आप बुद्धिमान हैं या नहीं। उनको एक ही फिक्र होती है कि क्या आप स्मार्ट हैं? अगर आप स्मार्ट हैं तो आप दुनिया में अपना काम निकाल सकते हैं- आज की अर्थव्यवस्था में आप पार लग जाएंगे अगर यहां आप हैं और मैं हूं तो मेरा आप से ज्यादा स्मार्ट होना अच्छा हो सकता है लेकिन यदि यहां पर सिर्फ मैं और मैं ही हूं तो मेरा अपने आप से ज्यादा स्मार्ट होना बेवकूफी ही है। लेकिन बुद्धि का स्वभाव अलग है। बुद्धि हमेशा आपको कोई दौड़ जीतने के लिये तैयार नहीं करती। वास्तव में आप दूसरे से धीमें हो सकते हैं क्योंकि उन लोगों की अपेक्षा आप कहीं ज्यादा चीजें देख सकते हैं। जो लोग स्मार्ट हैं और सिर्फ इस कोशिश में हैं कि अपने जीवन का कोई छोटा उद्देश्य पूरा कर लें, हो सकता है वे वहां ज्यादा तेजी से पहुंच जाएं- और हो सकता है लोग उनके लिये तालियां भी बजायें। लेकिन आपकी बुद्धि इतनी सारी चीजें ग्रहण कर रही होंगी, कि वो आपको एक कदम भी उठाने नहीं देगी। अगर आप स्मार्ट हैं तो इसका मतलब ये होगा कि आपने अपने लाभ के लिए परिस्थितियों को किसी तरह संगठित कर लिया है। अलग-अलग तरह के लोगों को इस आधार पर स्मार्ट समझा जाता है कि आप किस तरह के समाज में हैं, समय कैसा है, परिस्थिति कैसी है और आप किस तरह के लोगों के बीच में हैं! आज, वे लोग जो कुछ संकोच में होते हैं, वे आम तौर पर बेवकूफ माने जाते हैं। बिना किसी संकोच वाले लोग स्मार्ट कहलाते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि कुछ खास परिस्थितियों का लाभ कैसे लिया जाए! सृष्टि को समझना एक बात होती है, पर सृष्टि के मूलतत्व को समझना बिलकुल ही अलग चीज है, इसमें आप का स्मार्ट होना बिलकुल भी काम नहीं करेगा। आप इस तरह दुनिया को सम्भाल सकते हैं। लेकिन बात जब आप के आंतरिक स्वभाव की आती है तो ये आप को कहीं नहीं ले जायेगा, क्योंकि सृष्टि को समझना एक बात होती है, पर सृष्टि के मूलतत्व को समझना बिलकुल ही अलग चीज है, इसमें आप का स्मार्ट होना बिलकुल भी काम नहीं करेगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

खुशहाल जीवन के लिए धरती को बचाइये

सरस्वती रमेश

ब्रिटिश जल कंपनियों की प्रतिनिधि संस्था 'वाटर यूके' के चीफ एक्जीक्यूटिव माइकल राबर्ट्स ने भविष्यवाणी की है कि ब्रिटेन में 2050 तक पीने का पानी खत्म हो जाने की आशंका है। दूसरी ओर भारत के नीति आयोग के अनुसार देश की 60 करोड़ आबादी भीषण जल संकट से जूझ रही है। शुद्ध पेयजल नहीं मिलने के कारण हर वर्ष करीब दो लाख लोग मौत का शिकार हो रहे हैं। आने वाले वर्षों में यह संकट और भी गहरा होने वाला है। ईंधन संकट के चलते तेल के कुओं को खोज-खोज कर उन्हें खाली किया जा रहा है। अन्य संसाधनों की जमकर खुदाई कर इनसानी जरूरतों का विशाल कुआं भरने की कोशिश की जा रही है लेकिन हमारी जरूरतें सुरसा के मुंह के समान बढ़ती ही जा रही हैं। पृथ्वी की सतह से लेकर गर्भ तक भरे अथाह संसाधनों के भंडार कम पड़ने लगे हैं। आज जब पृथ्वी के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है तो विकास की प्रचलित परिभाषा पर बहस जरूरी जान पड़ती है। विकास सदियों पहले से हमारी सभ्यताओं का हिस्सा रहा है। हमारी प्राचीन सभ्यताओं, जिनके धुंधले अवशेष मिले हैं, में विकास का पैमाना लोगों के जीवन की खुशहाली से मापा जाता था। उनमें पर्यावरण के प्रति अप्रतिम जागरूकता विद्यमान थी। उनके जीवन की खुशहाली में पर्यावरण संरक्षण एवं उससे प्रेम भी शामिल था। इसलिए तो अनगिनत बाग, तालाब, नहर-पोखर जल संरक्षण के साधन, इन सभ्यताओं का हिस्सा थे। आज विकास सम्पदा और सपन्नता मात्र संसाधनों का दोहन और भंडारण का प्रतीक बनकर रह गया है। विस्तार यानी धरती के कोने-कोने यहां तक कि अंतरिक्ष में इनसानों की सहज पहुंच। इनसान ने अपना दंभ और श्रेष्ठता दिखाने के लिए एवरेस्ट को भी नीचे झुकने पर मजबूर कर दिया। वहां भी अपनी तरक्की के तमाम निशान लाशों और इक्यूपमेंट के रूप में छोड़ना जारी रखे हुए है। लाखों-करोड़ों साल से इनसान पृथ्वी पर राज करता आया है। लेकिन आश्चर्य की बात है कि जो संसाधन इतनी सदियां गुजर जाने के बाद भी पृथ्वी पर प्रचुर मात्रा में मौजूद रहे, वे अचानक बीती सदी के बोझ तले दबकर सिकुड़ क्यों गए। हमारी जरूरतें आखिर इतनी कैसे बढ़ गईं कि धरती का हर एक कोना हमारी बढ़ी भूख को शांत करने के लिए निचोड़ा जाने लगा। दरअसल, हमारी बढ़ी हुई भूख हमारा लालच है, हवस है। महात्मा गांधी ने कहा था कि पृथ्वी हर किसी की जरूरत पूरी कर सकती है, लेकिन लालच नहीं। हमने अपने विकास के मॉडल में नदियों के जीवन, उसके जल की गुणवत्ता, हवाओं का स्वास्थ्य, जमीन की उर्वरता और संसाधनों को बचाए रखने की महत्ता को कहीं स्थान ही नहीं दिया। एक से ज्यादा कारें रखना, चार-चार बंगले रखना, जरूरत से ज्यादा पर्यटन को बढ़ावा पृथ्वी और इसके पर्यावरण के अधिकारों का हनन ही तो है। इनसानों ने संविधान बनाकर अपने जीने के लिए मूलभूत अधिकार तो निर्धारित कर लिये लेकिन ऐसे ही मूलभूत अधिकार पृथ्वी के लिए क्यों नहीं बनाए गए? यदि मनुष्य स्वयं को सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ रचना मानता है और पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने का पहला हकदार तो इस सृष्टि को बचाने की जिम्मेदारी भी तो उसी की बनती है। ऐसी कौन-सी नींद है जो दो कमरों के मकान में पूरी नहीं हो सकती। ऐसी कौन-सी भूख है जो घर की बनी चार रोटियां शांत न कर सकें। मतलब साफ है। प्रकृति ने हमें हर परिस्थिति में संतुष्टि मिलने का अनोखा गुण प्रदान किया मगर हमने तरक्की के नाम पर धरती को नष्ट करने का नायाब तरीका खोज निकाला। आज पृथ्वी को बचाने के लिए इनसान को धरती की प्रतिक्रिया से भयभीत होने की जरूरत है। उस दिन की कल्पना करने की जरूरत है, जिस दिन धरती ने अन्न उपजाने से इनकार कर दिया। पेड़ों ने फल देने से। नदियों ने पानी। हवाओं ने ऑक्सीजन। क्या उस समय भी इनसान की प्रमुख चिंता चार बंगले, दस गाड़ियां, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट बनाने की होगी। इनसान यदि खुद को बचाना चाहता है तो उसे धरती को बचाना ही होगा। वक्त आ गया है विकास की सही परिभाषा और अवधारणा को निर्धारित करने का। तरक्की के नाम पर हो रहे अंधाधुंध उपभोग को रोकने का। सड़कों का ट्रैफिक हटाने के लिए सड़क चौड़ी करने और फ्लाईओवर बनाने के बजाय गाड़ियों की संख्या घटाने का। वक्त आ गया है हमारी पुरानी सभ्यताओं के विकास की लकीर पर लौटने का।

वाणिज्य मंत्रालय ने कुछ किस्म की दालों के आयात के लिए नियम तय किए

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

वाणिज्य मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष में कुछ किस्म की दालों के आयात के लिए नियम/प्रकियाएं तय की हैं और इनके लिए आयातकों को लाइसेंस लेना होगा। उसने इस बाबत मिल मालिकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय के तहत आने वाली एजेंसी डीजीएफटी के मुताबिक मिल मालिकों एवं दाल प्रसंस्करण इकाइयों को ऐसी दाल/दलहनों के आयात के लिए लाइसेंस की जरूरत होगी। विदेशी कारोबार के महानिदेशक (डीजीएफटी) ने एक नोटिस में कहा है, कुल दो लाख टन तुअर दाल, डेढ़ लाख टन उड़द दाल, डेढ़ लाख टन मूंग दाल और डेढ़ लाख टन मटर के आयात के लिए प्रक्रियाएं तय कर दी गई हैं। प्रक्रिया के मुताबिक हर रिफाइनिंग/प्रसंस्करण इकाई को अपने आवेदन में दस्तावेज प्रस्तुत कर अपनी रिफाइनिंग और प्रसंस्करण क्षमता के बारे में बताना होगा। यह दस्तावेज किसी केंद्रीय, राज्य या जिला के अधिकारी द्वारा जारी होना चाहिए। आयातकों को बंदरगाहों पर पहुंचे आयातित माल का मासिक ब्योरा जारी करना होगा। भारत सालाना 40 लाख से 60 लाख टन तक दालों का आयात करता है। देश में सालाना 2.4 टन दाल की खपत होती है। देश में दलहनों के भारी उत्पादन को देखते हुए सरकार ने इसके आयात पर कोटा की पाबंदी लगा दी है।

आरआईएल पर सऊदी अरामको लगाएगी बड़ा दांव, रिफाइनिंग बिजनेस में खरीदेगी 25 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रूड ऑयल प्रोड्यूसर सऊदी अरामको मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज पर बड़ा दांव लगाने की तैयारी में है। दरअसल, सऊदी अरब सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी आरआईएल के रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल्स बिजनेस में 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 'गंभीर बातचीत' कर रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में ये बातें सामने आई हैं। आरआईएल के रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल्स बिजनेस की वैल्युएशन लगभग 55 से 60 अरब डॉलर है। इस हिसाब से माइनॉरिटी स्टेक की बिक्री से मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली कंपनी को 10 अरब डॉलर से 15 अरब डॉलर (70 हजार करोड़ से 1.05 लाख करोड़ रुपए के बीच) तक मिल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वैल्युएशन को लेकर इस साल जून तक कोई एग्रीमेंट हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावित डील को लेकर सलाह देने का काम गोल्डमैन सैक्स को सौंपा गया है। मंगलवार के शेयर प्राइस के हिसाब से की कुल मार्केट कैप 8.5 लाख करोड़ रुपए थी।

वित्तीय क्षेत्र के एक जानकार ने कहा, ने एनर्जी से लेकर रिटेल और रिटेल से लेकर टेलिकॉम तक खासा काम किया है। इस डील से यह फंड बढ़ाने में मदद मिलेगी और शेयर होल्डर को भी खासा फायदा होगा। टेलिकॉम क्षेत्र में रिलायंस जियो में खासा निवेश किया है, जिससे उस पर कुल कर्ज 3 लाख करोड़ हो गया है। कर्ज कम करने की प्रक्रिया जियो को विस्तार की योजना पर काम करने का मौका मिलेगा देगा।

विस्तारा एयरलाइन दे रही सस्ते में हवाई सफर करने का मौका, मिल रहा 10फीसदी तक डिस्काउंट

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

आगर आप सस्ते में हवाई सफर करना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए अच्छी साबित हो सकती है। जानी-मानी एयरलाइन कंपनी विस्तारा हवाई यात्रा की टिकटों पर डिस्काउंट दे रही है। अपने दोस्तों और परिवार के साथ यात्रा करना हमेशा मजेदार होता है। अब विस्तारा उस यात्रा को फ्रेंड्स एंड फैमिली डिस्काउंट के साथ और भी फायदेमंद बना रहा है। इस ऑफर के तहत ग्राहक बेस फेयर पर 10 फीसदी तक की छूट का आनंद ले सकते हैं। विस्तारा के ट्वीट के अनुसार, विस्तारा की ऑफिशियल वेबसाइट और मोबाइल एप के माध्यम से टिकट बुक करने पर 10 फीसदी तक का अतिरिक्त डिस्काउंट दिया जा रहा है। इस डिस्काउंट का लाभ उठाने के लिए कम से कम 4 पैसेंजर टिकट एक साथ बुक करनी होंगी। इस ऑफर में इकोनॉमी क्लास के अंदर ही टिकट बुक की जा सकती है। विस्तारा का डिस्काउंट ऑफर डायरेक्ट फ्लाइट्स के लिए है और इससे सिर्फ घरेलू उड़ानों पर लागू किया गया है। इस ऑफर में सिर्फ वन-वे यात्रा की जा सकती है।

टिकट बुक करने के लिए ग्राहकों को सिर्फ विस्तारा की ऑफिशियल वेबसाइट या उसकी एप को इस्तेमाल करने की आवश्यकता है।इस ऑफर के तहत की गई बुकिंग में किसी तरह का बदलाव या रद्दीकरण सिर्फ कस्टमर केयर के जरिए किया जा सकता है। फ्लाइट शेड्यूल और टाइमिंग नियामक के अधीन हैं और बिना अग्रिम सूचना के संशोधित किया जा सकता है।

भारतीय बाजार को लेकर प्रतिबद्धः वॉलमार्ट सीईओ

नई दिल्ली/बेंगलुरू (एजेंसी)।

वॉलमार्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डग मैकमिलन मंगलवार को कहा कि कंपनी भारतीय बाजार को लेकर प्रतिबद्ध है। भारतीय बाजार में असीम अवसर हैं। करीब एक साल पहले वॉलमार्ट ने फ्लिपकार्ट का अधिग्रहण किया था। मैकमिलन ने कहा कि देश में परिचालन करने वाले कारोबारों के लिए वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए बराबरी के अवसर उपलब्ध होना जरूरी है। मैकमिलन दो दिवसीय यात्रा पर बेंगलुरु आए हुए हैं। मैकमिलन ने टाउनहॉल में कर्मचारियों को संबोधित किया, जहां उनसे कई सवाल पूछे गए। सूत्रों के मुताबिक, मैकमिलन ने फ्लिपकार्ट द्वारा

की गई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि वॉलमार्ट अवसरों के आकार के लिहाज से भारतीय बाजार को लेकर अधिक महत्वाकांक्षी है। भारतीय बाजार में नियामकीय चुनौतियों को लेकर मैकमिलन ने कहा कि वॉलमार्ट कई देशों में परिचालन करती है और हर बाजार के स्थानीय नियमों का अनुपालन करती है। हालांकि उन्होंने कारोबार के लिए बराबरी के अवसर पर जोर दिया। कारोबारी इकाइयों को इसकी जरूरत होती है। सरकार ने विदेश निवेश वाली ई - कॉमर्स कंपनी के लिए नियमों को सख्त किया था। ये नियम एक फरवरी से प्रभावी हैं।

संक्षिप्त समाचार

इंडिगो के विमान में इंजन में गड़बड़ी, डीजीसीए ने भेजा नोटिस

मुंबई। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) इंजन से जुड़े मुद्दों पर बजट एयरलाइन इंडिगो के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) और इंजीनियरिंग प्रमुख को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि डीजीसीए एयरलाइन के परिचालन और इंजीनियरिंग का विशेष सुरक्षा आडिट भी कर रहा है। भारतीय विमानन कंपनियों इंडिगो और गोएयर के बेड़े में पीएंडडब्ल्यू इंजन वाले ए320 नियो विमान शामिल हैं। इन इंजनों का विनिर्माण अमेरिकी कंपनी ने किया है। तीन साल पहले इन विमानों को बेड़े में शामिल किया गया और उस समय से ही इनमें समस्या आ रही है। एक सूत्र ने कहा, ''परिचालन और इंजीनियरिंग से जुड़े मुद्दों के बाद विमानन क्षेत्र का नियामक एयरलाइन का विशेष सुरक्षा आडिट भी कर रहा है। इस बारे में इंडिगो के प्रवक्ता को भेजे सवालों का जवाब नहीं मिल पाया है। डीजीसीए के महानिदेशक बी एस भुल्लर ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि नियामक साल में कम से कम एक बार सभी एयरलाइंस का विस्तार से आडिट करता है। हालांकि, उन्होंने कारण बताओ नोटिस पर टिप्पणी नहीं की।

पंजाब नेशनल बैंक ने राजेश यदुवंशी को नए कार्यकारी निदेशक रुप में चुना

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने बड़ा फैसला लिया है। मंगलवार को बैंक ने राजेश कुमार यदुवंशी को बैंक का कार्यकारी निदेशक जानकारी दी है। उनकी नियुक्ति 15 अप्रैल से लागू है। बैंक ने कहा कि यदुवंशी के पास बैंकिंग उद्योग में काम करने का तीन दशक से ज्यादा का अनुभव है। इस दौरान वह भारत और विदेश में बैंकिंग क्षेत्र में वरिष्ठ पदों पर काम कर चुके हैं। इससे पहले यदुवंशी देना बैंक में भी कार्यकारी निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। यदुवंशी मैनेजमेंट प्रशिक्षु के रूप में 1985 में पीएनबी से जुड़े थे। इनकी नियुक्ति के साथ पंजाब नेशनल बैंक ने तीन कार्यकारी निदेशक हो गए हैं। दो अन्य कार्यकारी निदेशक एल वी प्रभाकर और ए के आजाद हैं।

आईडीबीआई बैंक ने प्रवासी भारतीयों को ऑनलाइन बैंक खाता खोलने की दी सुविधा

नई दिल्ली। भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने पेपरलेस बैंक खातें खोलने की शुरुआत की है। बैंक का कहना है कि 40 अलग-अलग देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों को ऑनलाइन सुविधा दी जाएगी। प्रवासी भारतीय बिना कोई कागजी दास्तावेज जमा किए आईडीबीआई बैंक में ऑनलाइन एनआरआई खाता खुलवा सकते हैं। आईडीबीआई बैंक ने कहा है कि खाता खोलने के इच्छुक प्रवासी भारतीय एनआरआई वेब मॉड्यूल की माध्यम से बैंक की वेबसाइट पर एनआरआई इंस्टा-ऑनलाइन का उपयोग कर सकते हैं। सबसे पहले उपभोक्ताओं को बैंक में खाता खोलने के लिए शाखा को चुना होगा। उसके बाद बैंक की वेबसाईट पर दस्तावेज अपलोड करने होंगे। उपभोक्तओं को बैंक के साथ खाता खोलने के लिए भौतिक दस्तावेजों के साथ-साथ केवाईसी प्रमाण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।

हेल्थ इंश्योरेंस के नए नियम जल्द, जन्मजात बीमारियों पर भी कवर

नई दिल्ली। अगर आपने अपने लिए या परिवार की हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ले रखी है तो यह जानकारी आपके लिए बहुत जरूरी है. दरअसल हेल्थ इंश्योरेंस में सुधार के लिए इंश्योरेंस रेग्युलेटर नई गाइडलेंस जल्द लाने वाला है. अभी चुनिंदा बीमारियों से ग्रस्त लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस का कवर कंपनियां नहीं देती हैं लेकिन नई गाइडलाइंस के बाद हेल्थ इंश्योरेंस के तहत कुछ बीमारी के कवर को छोड़कर बाकी के लिए इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा. नई गाइडलाइंस में हेल्थ इंश्योरेंस का दायरा पहले के मुकाबले बढ़ जाएगा. इंश्योरेंस रेग्युलेटर आईआरडीएआई की तरफ से हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़ी नई गाइडलाइंस जल्द जारी की जाएंगी. नई गाइडलाइन के अनुसार एक्सक्लूजन बीमारी को छोड़कर बाकी पर इंश्योरेंस कवर मिलेगा. फिलहाल के नियमानुसार चुनिंदा बीमारी से ग्रस्त लोगों को बीमा कवर नहीं मिलता है. लेकिन नए नियम में बीमारी से जुड़े असर को छोड़कर बाकी में इंश्योरेंस कवर मिलेगा. अभी जन्मजात बीमारी, एड्स आदि के रोगियों को भी इंश्योरेंस कवर नहीं मिलता. तरफ से हेल्थ इंश्योरेंस में बदलाव को लेकर तैयारी की जा रही है. इंश्योरेंस कवर के टॉप बैंड में जन्मजात बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को भी कवर दिया जाएगा।

सरकार ने नीरव मोदी मामले में प्रवर्तन निदेशालय के मुंबई प्रमुख को हटाया

नई दिल्ली। सरकार ने मुंबई में प्रवर्तन निदेशालय के विशेष निदेशक विनीत अग्रवाल को हटा दिया है। नीरव मोदी मनी लाड्रिंग जांच मामले में एजेंसी के जांच अधिकारी को बिना उपयुक्त प्रक्रिया का पालन किए कार्य मुक्त (रिलीव) करने में कथित रूप से दखल देने को लेकर उन्हें हटाया गया है। अग्रवाल का कार्यकाल तीन साल कम किया गया है और महाराष्ट्र कैडर के 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी को तत्काल प्रभाव से गृह राज्य भेज दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति से मंजूरी मिलने के बाद मंगलवार को आदेश जारी किया। उसके बाद ईडी ने अग्रवाल को विशेष निदेशक पद से कार्य मुक्त करने का आदेश जारी किया। मुंबई में ईडी का विशेष निदेशक एजेंसी के पश्चिमी क्षेत्र का प्रमुख होता है और महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ पर नियंत्रण होता है। यह कार्यभार अब एजेंसी के चेन्नई में तैनात विशेष निदेशक को सौंपा गया है। अग्रवाल को पांच साल के लिए प्रवर्तन निदेशालय में जनवरी 2017 में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था। उनका नाम उस समय चर्चा में आया जब 29 मार्च को उन्होंने संयुक्त निदेशक सत्यव्रत कुमार को नीरव मोदी जांच मामले में कार्य मुक्त करने का आदेश जारी किया।

घर लेना हो तो जल्दी करें, अक्टूबर से बढ़ेंगे दाम

बेंगलुरु (एजेंसी)।

देश के प्रमुख बाजारों में रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी के दाम इस वित्त वर्ष 2019-20 की दूसरी छमाही के दौरान बढ़ने की संभावना है। डिमांड में बढ़ोतरी से बिक्री की रफ्तार में तेजी आने की उम्मीद पर यह अनुमान जताया गया है। जिन कुछ बाजारों में डिमांड इस बीच बढ़ी है, वहां कीमतों में कमी का ट्रेंड पर रोक लगी है। वित्त वर्ष में मार्केट सेंटीमेंट में बदलाव हो सकता है और रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी की कीमतों में कुछ तेजी आ सकती है। 360 रियल्टर्स और लियासेज फोरास की रिपोर्ट में बताया गया, पिछले पांच वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में बेंगलुरु जैसे बड़े रेजिडेंशियल मार्केट्स में प्रॉपर्टी की औसत कीमत में कुछ कमी आई है, जबकि मुंबई, हैदराबाद, पुणे में कीमतें 2-3 फीसदी बढ़ी हैं। रिपोर्ट में कहा गया, वित्त वर्ष 2020 के मध्य तक मार्केट सेटीमेंट में और बदलाव होने की उम्मीद है और प्राइस ग्रोथ में तेजी आएगी। डिमांड चढ़ने से कीमतों में बढ़ोतरी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2018-2019 में हैदराबाद रियल एस्टेट के लिहाज से सबसे मजबूत मार्केट के तौर पर उभरा है और इस वित्त वर्ष में भी इसमें अच्छी ग्रोथ होने की उम्मीद है। चौथे क्वॉर्टर में बेंगलुरु में प्रॉपर्टी सेल्स 4 फीसदी बढ़कर लगभग 8,800 यूनिट की रही। दिल्ली-एनसीआर में यह तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 3.5 फीसदी गिरकर करीब 13,270 यूनिट की थी। मुंबई और पुणे में सेल्स क्रमशः 0.1 फीसदी और 1.3 फीसदी की वृद्धि के साथ 18,000 और लगभग 11,200 यूनिट की थी। रियल एस्टेट सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया कदम उठा रहे हैं। इस कैलंडर ईयर में दो रेट कट किए हैं और रिपो रेट घटकर 6 पर्सेंट हो गई है। के रहेजा कॉर्प के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर ओम आहूजा ने कहा, ने महत्वपूर्ण इंटरेस्ट रेट में कमी कर सकारात्मक रवैया दिखाया है। होमबायर्स को अब घर खरीदने में कुछ आसानी होगी।

मौजूदा फाइनेंशयल ईयर में सरकार के पॉलिसी से जुड़े उपायों का भी असर दिखना जारी रहेगा। चुनाव नजदीक होने के कारण कुछ लोग घर खरीदने का अपना फैसला टाल सकते हैं। गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स (तस्ज्ञ), डीमॉनेटाइजेशन और ञ्चक्र से रियल एस्टेट सेक्टर में बड़े बदलाव हुए हैं। इस सेक्टर में अभी लिक्विडिटी की समस्या बरकरार रह सकती है। नए हाउसिंग प्रोजेक्ट के लॉन्च भी कम होने की उम्मीद है।

सरप्राइज सेटलमेंट के बाद खत्म हुआ एप्पल और क्वॉलकॉम -विवाद

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

टेक्नॉलजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी एप्पल और क्वॉलकॉम ने पेटेंट लाइसेंसिंग को लेकर दो साल पुरानी कानूनी लड़ाई को सुलझा लिया है। दोनों कंपनियों के बीच अब सभी कानूनी झगड़े खत्म हो गए हैं और रॉयल्टी विवाद का भी सेटलमेंट हो गया है। इस सरप्राइज सेटलमेंट के बाद में एक बार फिर क्वॉलकॉम के मॉडेम चिप्स का इस्तेमाल हो सकेगा। दोनों कंपनियों में ग्लोबल पेटेंट लाइसेंस और चिपसेट सप्लाई का एग्रीमेंट हुआ है। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के मुताबिक एप्पल, क्वॉलकॉम को पेमेंट भी करेगी। हालांकि, पेमेंट की रकम का खुलासा नहीं किया गया है। दोनों कंपनियों के बीच अमेरिका के अलावा चीन, जर्मनी और कई दूसरे देशों में कानूनी लड़ाई चल रही थी। इस सेटलमेंट के बाद सारे कानूनी विवाद खत्म हो गए हैं। कंपनियों के बीच 6 साल का लाइसेंसिंग एग्रीमेंट भी हुआ है, जिसे 2 साल एक्सटेंड करने का भी विकल्प है। इस बीच, फिलहाल एप्पल को चिप की सप्लाई करने वाली कंपनी इंटेल ने इस सेटलमेंट के बाद कहा है कि वह मॉडेम चिप बिजनेस से बाहर होगी। इंटेल ने कहा है कि उसने 5त्न मोबाइल मॉडेम मार्केट छोड़ने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा है कि वह , स्मार्ट होम डिवाइसेज के लिए 4त्न और 5त्न मॉडेम पर फोकस करेगी। साथ ही, अपने 5त्न इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस पर भी ध्यान देगी। क्वॉलकॉम पहले से ही 5त्न चिप की सप्लाई कर रही है, जबकि इंटेल अभी उसे डिवेलप कर रही है, ऐसे में इस डील से एप्पल को सैमसंग और दूसरी कंपनियो से मुकाबला करने में मदद मिलेगी। इससे पहले, एप्पल ने क्वॉलकॉम पर मॉडेप चिप बिजनेस में अपना एकाधिकार बनाए रखने के लिए अवैध पेटेंट प्रैक्टिस इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था।

मॉडेप चिप, फोन को मोबाइल डेटा नेटवर्क से कनेक्ट करने का काम करती है। वहीं, क्वॉलकॉम का कहना था कि एप्पल बिना पेमेंट के उसकी टेक्नॉलजी का इस्तेमाल कर रही है। एप्पल ने साल 2016 में कुछ में इंटेल के मॉडेम चिप्स का इस्तेमाल करना शुरू किया। इसके बाद, एप्पल ने क्वॉलकॉम को लाइसेंस फीस का भुगतान करना बंद कर दिया। एप्पल ने अपने में 2018 में क्वॉलकॉम के मॉडेप चिप का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर दिया।

ट्रिपल रियर कैमरे के साथ सैमसंग ने पेश किया गैलेक्सी ए70, भारत में इस दिन होगा लांच

गुरुग्राम । सैमसंग इंडिया ने बुधवार को गैलेक्सी ए70 पर से परदा हटा दिया, जिसे भारतीय बाजार में अगले हफ्ते लांच किया जाएगा। यह कंपनी की लोकप्रिय गैलेक्सी ए सीरीज का छठा स्मार्टफोन है। कंपनी ने इसकी कीमत 28,990 रुपये रखी है और गैलेक्सी ए70 20 से 30 अप्रैल के बीच प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध होगी। इस डिवाइस में 6.7 इंच का एफएचडी प्लस सुपर एमोलेड डिस्प्ले, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 675 प्रोसेसर, 6 जीबी रैम और 128 जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ 512 जीबी तक की क्षमता वाला माइक्रो-एसडी स्लॉट होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जिन ग्राहकों ने प्री-बुक किया है, वे सैमसंग यू फ्लेक्स को केवल 999 रुपये में खरीद सकते हैं। यू फ्लेक्स एक प्रीमियम ब्लूटूथ डिवाइस है, जिसकी वास्तविक कीमत 3,799 रुपये है। सैमसंग इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य विपणन अधिकारी रंजीवजीत सिंह ने कहा, हमारे हाल में ही लांच गैलेक्सी ए लाइन को लांच के बाद से ही अभूतपूर्व सफलता मिली है। इसने लांच के 40 दिनों में ही 50 करोड़ डॉलर मूल्य की बिक्री का मील का पत्थर स्थापित किया। गैलेक्सी ए70 में 32 मेगापिक्सल के ट्रिपल रियर कैमरे के साथ 4,500 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो सुपरफास्ट चार्जिंग क्षमता से लैस है।

भारत में बैन हुआ टिकटॉक, गूगल ने प्लेस्टोर से हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गूगल ने मद्रास हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए भारत में बेहद लोकप्रिय वीडियो ऐप्प टिकटॉक को ब्लॉक कर दिया है जिसके बाद अब गूगल के प्ले स्टोर ऐप्प से टिकटॉक वीडियो ऐप्प को डाउनलोड नहीं किया जा सकता है। टिकटॉट को लेकर यह कदम उस फैसले के बाद आया है, जिसमें हाईकोर्ट ने चीन की कंपनी के उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था, जिसमें कंपनी ने कोर्ट से टिकटॉक ऐप्प पर से बैन खत्म करने को कहा था। बता दें कि तीन अप्रैल को अपने आदेश में मद्रास हाई कोर्ट ने के जरिए अश्लील सामग्री की पहुंच पर चिंता जताते हुए सरकार को इसपर बैन लगाने का कहा था। इससे पहले टिकटॉक ने मद्रास हाई कोर्ट के बैन से जुड़े आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील भी की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। मद्रास हाई कोर्ट की ओर से फैसला सुनाते हुए कहा गया था कि यह ऐप बच्चों पर बुरा असर डालते हुए पॉर्नोग्राफी को बढ़ावा दे रहा है और यूजर्स को यौन हिंसक बना रहा है। अश्लील कंटेट ऐप पर शेयर करने का आरोप लगाते हुए इस ऐप के खिलाफ एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसके बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड इंफॉर्मेशन टेक्नॉलजी का ऑर्डर इस ऐप के और डाउनलोड्स को रोकने में मदद करेगा। हालांकि, जिन लोगों ने पहले ही ञ्चद्ब्ज्ञश्च ऐप को डाउनलोड कर रखा है, वह अपने स्मार्टफोन पर इसका इस्तेमाल कर पाएंगे। सूचना व प्रसारण मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, हाई कोर्ट ने सरकार से ऐप्लीकेशन के डाउनलोड्स को रोकने के लिए कहा है। मिनिस्ट्री, को अपने ऐप स्टोर से ऐप को डिलीट करने को कहकर इसे सुनिश्चित कर रहा है। सरकार की ओर से ऐपल और गूगल को पत्र लिखकर इस ऐप को हटाने को कहा गया है। गूगल ने तुरंत ऐक्शन लेते हुए इस ऐप को प्लेस्टोर से हटा दिया और ऐपल ऐप स्टोर से भी इस ऐप को हटा लिया गया है। गूगल ने एक बयान में कहा कि वह स्थानीय कानूनों का पालन करता है और ऐप पर कोई कॉमेंट नहीं करना चाहता। बता दें, चीन की कंपनी ने पहले लगाए गए बैन को हटाने के लिए कोर्ट में अपील की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। भारत टिकटॉक ऐप के लिए एक बड़ा बाजार है, ऐसे में कंपनी के बिजनस पर असर पड़ेगा। मार्केट एनालिसिस फर्म सेंसर टॉवर के मुताबिक, पहली तिमाही में और में दुनिया भर में तीसरा सबसे ज्यादा इंस्टॉल किया जाने वाला ऐप रहा। पिछली तिमाही में भी इसकी रैंकिंग इतनी ही थी। ने मार्च तिमाही में 18.8 करोड़ नए यूजर जोड़े, जिसमें भारत की हिस्सेदारी 8.86 करोड़ यूजर्स की रही। पिछले साल के डेटा के मुताबिक, ऐप के 50 करोड़ यूजर बेस में भारत की हिस्सेदारी 39 फीसदी से ज्यादा है।

ब्रेन-डेड भावना बेन के किडनी, लीवर एवं चक्षुओं के दान से पांच व्यक्तियों को नवजीवन मिला

सूरत। बुधवार को सूरत स्थित ममता पार्क सोसाइटी में 14 अप्रैल रविवार को भावना बेन नामक महिला पडोसी के याहं स ांय 5.00 बजे सत्संग में गयी थी वहां पर भजन कीर्तिन करने में ही अचानक गिर पड़ी और मुंह से फेन (झाग) निकलते देख वहां उपस्थित लोगों ने उन्हें तात्कालिक पी.पी. सवाणी हास्पिटल में ले गये। डा. संजय वाघाणई ने उपचार के दौरान निदान हेतु सिटी स्केन कराने पर मस्तिष्क में गंभीर चोटे होना पाया गया। प्राथमिक उपचार देने के बाद डाक्टर की स लाह अनुसार अधिक उपचार हेतु आई.एन.एस हास्पिटल में डा. अनिरुद्ध आप्टे के उपचार के तहत भर्ती करने पर उपचार तो शुरु किया गया। उपचार के लिए सिटी स्केन कराने पर मस्तिष्क की नसे फट चुकी थी। सोमवार ता. 15-4-2019 के दिन न्युरो सर्जन डा. अशोक पटेल एवं न्युरों फिजिशियन डा. अनिरुद्ध आप्टे ने भावना बेन को ब्रेन-डेड जाहेर किया। न्युरोसर्जन डा. अशोक पटेल ने डोनेट लाइफ का प्रमुख नीलेश माडेल वाला का टेलीफोनिक सम्पर्क किया। भावना बेन के ब्रेन-डेड अंगों की जानकारी दिया। डोनेट लाइप की टीम हास्पिटल पहुंची। भावनाबेन के पति मूलजी भाई, पुत्र भाविक, जेठ तुलसी भाई, रामजी भाई, छगन भाई, भाई रमेश भाई मावणी, भतीजा आशिष , जमाई हरेश भाई, अवया, डा. महेश भाई अवया तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने ओर्गन डोनेशन के सम्बन्ध में जानकारी दी एं आर्गन डोनेशन के महत्व को समझाया।

भावना बेन के परिवार जनों ने बताया कि हम सभी अंगदान की प्रवृति से वाकिफ है और हमारे परिवार के स्व. परसोत्तम भाई ने अपना देहदान करने का संकल्प किया था परन्तु उनकी मृत्यु अकस्मात में हुई जिससे उनका देहदा नहीं कर सके, लेकिन आज जब भावन बेन ब्रेन-डेड है और मृत्यु निश्चित है ऐसे में उनके अंगों का दान करके किसी प्रियजन को नया जिवन मिलता है तो आप आगे आये, परिवार जनों की सम्मति मिलते ही नीलेश माडलेवाला ने (आई.के.डी.आर.सी) डा. विकास पटेल ने अपनी टीम के साथ आकर किडनी एवं लीवर का दान स्वीकर किया। जबकि आंखों का दान लोकदृष्टि चक्षु बैंक के डा. प्रफुल्ल शिरोया ने स्वीकार किया। दान में मिली किड़नी में से एक किडनी दाहोद निवासी अशोक दीटाभाई यूरिया 44वर्ष तथा दुसरी किडनी खंडेला राज स्थान के निवासी लखन नागरमल संखला 26 वर्ष जबकि लीवर का ट्रांसप्लांट सूरत के निवासी घनश्याम दयाल भाई गरमाठ 51 वर्ष को अहमदाबाद में डा. प्रजल मोदी डा. जमाल रिजवानी एवं उनकी टीम ने किया।

सी.आर. पाटिल ने विभिन्न विस्तारों में रोड़ शो एवं जनसम्पर्क अभियान शुरु

सूरत। बुधवार को 25 नवसारी लोकसभा के उम्मीदवार सी.आर.पाटिल ने चुनाव प्रचार के लिए विभिन्न विस्तारों में लोगों के साथ सुभेच्छा मुलाकात की है इसके साथ ही उन्होंने जलालपोर तालुका के विजलपोर में भी रोड़ शो के साथ जन सम्पर्क भी किया इस रोड़ शो में भारी संख्या में लोग बड़े ही उत्साह के साथ जुड़े थे। सी.आर. पाटिल कोली समाज, महेश्वरी समाज के अग्रणिओं के साथ सुभेच्छा मुलाकात की। इसके साथ ही वेसू में स्थित रोयल रिजन्शी एवार्टमेन्ट, वोर्ड ने. 28 बमरोली एवं चौर्यासी विधानसभा में आये सचिन विस्तार में जनसम्पर्क कार्क्रम हाथ में लिया इस शुभेच्छा मुलाकात एवं जन सम्पर्क कार्यक्र के बीच सभी जगहों पर इनका भव्य स्वागत किया गया। साथ ही सी.आर. पाटिल केन्द्र एवं राज्य के नेतृत्ववाली भाजपा सरकार फिर एक बार विजयी बनाने की अपील की है। इस शुभेच्छा मुलाकात पर हाजिर रहे सभी ने सी.आर. पाटिल को भारी बहुमत से विजयी बनाने का निर्धारण किया।

खोलवाड़ में हथौडी मार मां की हत्या करने वाला बेटा गिरफ्तार

फरार आरोपी को पुलिस ने कामरेज से पकड़ा

सूरत। बुधवार को कामरेज तालुका में स्थित खोलवाड़ गाम की गुरुकृपा सोसाइटी में रहने वाले युवक ने अपनी मां के सिर पर हथौड़ी मारकर हत्या करने के बाद घर के दरवाजे पर ताला लगाकर भाग गया था। इस घटना में मां को मारकर भागते फिरते पुत्र को कामरेज चार रास्ते के पास ब्रिज के नीचे से पुलिस ने पकड़ा है। महाराष्ट्र के धुलिया में रहने वाले जो वर्तमान समय में सूरत जिले के कामरेज तालुका के खोलवाड़ गाम की सीमा में गुरुकृपा सोसाईटी में रहने वाले पुत्र अमृत बचुभाई थोरी साथे माता मंगूबहेन बचुभाई थोरी 55वर्ष की एक सप्ताह पहले पुत्र ने सिर पर हथौ डी मारकर लहुलुहान कर मकान को बाहर से ताला लगाकर भाग गया था। माता को देखने आयी पुत्री ने लहु लुहान हालत में खिडकी से दखा तो बूमाबूम कर दिया। अडोस पड़ोस के लोगों को बुलाने पर उपचार हेतु मंगु बहेन के न्यु सिविल हास्पिटल सूरत ले जाया गया जहां थोड़ी देर में ही उपचार के दौरान मंगू बहेन की मृत्यु हो गयी। कामरेज पुलिस ने मां को मारने वाले पुत्र के सामने हत्या की फरियाद दर्ज की। हत्यारा पुत्र फरार हो गया था। माता को माकर पुत्र कामरेज चार रास्ता ब्रिज के पास आने वाला है ऐसी सूचना पुलिस को मिली पुलिस का दीपक ने इस सूचना के आधार पर स्टाफ के साथ वहां पर वाच रखी इसी बिच अमृत ब्रिज के पास आते ही पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में अमृत ने घर केबाहर सोने के लिए जाना था परन्तु माता की तकिया के नीचे चाबी लेने गया लेकिन माता ने बाहर सोने जाने से मना कर दिया जिससे गुस्साये पुत्र ने पास पड़ी हथौड़ी उठाकर माता के सिर पर मारा ऐसी बात आरोपी पुत्र ने स्वीकार की है।

वोट करेगा युवा योनजान्तर्गत मतदाता जागृति हेतु वेसू में मतदान सविधा केन्द्र प्रारम्भ

मतदान सुविधा केन्द्र में मतदाताओं को एक ही स्थान पर चुनाव लक्षी जानकारी एवं सूचना पा सकेंगे: संजय सरावगी

सूरत। बुधवार आगमी लोकसभा के चुनावों में मतदाताओं को जागृ कर अधिकाधिक मतदान हेतु एवं अनपे मत का महत्व को समझने हेतु अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा वी.आई.पी रोड़ वेसू स्थित अवध एरैना विल्डिंग में वोट करेगा युवा अभियान अंतर्गत मतदान सुविधा केन्द्र का उद्घाटन लक्ष्मीपति ग्रुप के चेयरमैन संजय सरावगी के हाथों से किया गया है। इस अवसर पर संजय सरवागी ने बताया कि अग्रवाल विकास ट्रस्ट की युवा शाखा द्वारा गत विधान स भा चुनाव में मतदान जागृति अभियान शुरु किया गया है। जिसके तहत वेसू में मतदान सुविधा केन्द्र शुरु किया गया है। जिसके द्वारा मतदाता अपना सुविधा केन्द्र द्वारा मतदाता अपना बुथनम्बर चुनाव लक्षी आनलाइन विवरण, चुनाव परिचय पत्र पाने की प्रक्रिया, दक्षिण गुजरात की लोकसभा सीटों की जानकारी एक ही स्थल पर प्राप्त हो सकेगा इस केन्द्र द्वारा मतदाताओं एवं विशेषत: युवावर्ग अपने अमुल्य मताधिकार का प्रयोग कर अधिकाधिक मतदान कर लोकतन्त्र के महापर्व का मना सके इस हेतु प्रेरित किया जाएगा। वोट करेगा युवा अभियान में 300 युवाओं की टीम मतदाता जागृति के लिए अनोखा कार्यक्रम कर रहा है। प्रतिदिन रात में तीन रेजिडेंसियों में जाकर मतदान जागृति का नुक्कड़ नाटक खेलकर लोगों को जागृत किया जाएगा। ऐसा बताया कि मतदान सुविधा केन्द्र लोकसभा चुनावों के लिए मतदाता महायता केन्द्र तथा वोट करेगा युवा अभियान कंट्रोल रूम में कार्यरत रहेगा।

क्रिकेटर रविन्द्र जाडेजा की बहन नयनाबा कांग्रेस की महासचिव नियुक्त

अहमदाबाद । हाल ही में कांग्रेस में शामिल होनेवाली नयनबा जाडेजा को पार्टी का का महासचिव नियुक्त किया गया है और उन्होंने कांग्रेस का प्रचार भी शुरू कर दिया है। बता दें कि नयनबा टीम इंडिया के क्रिकेटर रविन्द्र जाडेजा की बहन हैं जो अपने पिता अनिरुद्ध जाडेजा के साथ कुछ दिन पहले कांग्रेस में शामिल हुई थीं। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने नयनाबा को पार्टी महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी है और उन्होंने प्रचार कार्य तेज कर दिया है। कुछ दिन पहले जामनगर के कालावड में आयोजित हार्दिक पटेल की जनसभा में नयना और अनिरुद्ध जाडेजा कांग्रेस में शामिल हुए थे। पिता-पुत्री के कांग्रेस में शामिल होने से एक ही परिवार में दो गुट बन गए हैं। रविन्द्र जाडेजा और उनकी पत्नी रीवा बा जाडेजा भाजपा समर्थक हैं। रीवा बा ने बाकायदा भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है और उन्हें जामनगर सीट से प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा थी। लेकिन भाजपा ने मौजूदा सांसद पूनम माडम को रिपीट किया है। बीते दिन रविन्द्र जाडेजा ने अपनी पत्नी रिवा जाडेजा के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर भाजपा को अपना समर्थन घोषित किया है। एक ओर भाभी है जो भाजपा समर्थक हैं और उनकी ननद कांग्रेसी बन गई हैं।

भाजपा को वोट दीजिए, पीएम ने मतदान केंद्र पर लगवाए हैं कैमरे : कटारा

दाहोद । सोशल मीडिया पर एक विडियो वायरल हो रहा है, जिसमें गुजरात के एक भाजपा विधायक रमेश कटारा मतदाताओं को धमकाते नजर आ रहे हैं। वह कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतदान केंद्र पर कैमरे लगवाए हैं ताकि यह पता चल सके कि किसने पार्टी के उम्मीदवार को वोट नहीं दिया। कटारा का विडियो वायरल होने के बाद दाहोद के कलेक्टर और जिला चुनाव अधिकारी वीएल खराड़ी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्हें एक दिन के भीतर जवाब देना है। दाहोद सीट से भाजपा उम्मीदवार जसवंत सिन्हा भाभोर के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे फतेहपुरा से विधायक रमेश कटारा यहां एक सभा में लोगों को कथित तौर पर धमकाते हुए विडियो में कैद हुए हैं। यह घटना करीब दो दिन पहले की है। कटारा कह रहे हैं कि यदि केंद्रीय मंत्री भाभोर को वोट नहीं दिया तो मोदी गांव को काम देना रोक देंगे। फतेहपुरा विधानसभा सीट दाहोद लोकसभा क्षेत्र के तहत आती है। वायरल विडियो में कटारा कह रहे हैं भाभोर की फोटो और कमल के चुनाव चिह्न (भाजपा का चुनाव चिह्न) वाला बटन दबाएं। इस बार मोदी साहब ने कैमरे लगवाए हैं। वह वहां से बैठे-बैठे देख सकते हैं कि किसने भाजपा के पक्ष में और किसने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा को आपके मतदान केंद्र से कांग्रेस के मुकाबले कम वोट मिले तो आपको कम काम मिलेगा। मोदी साहब वहीं बैठे-बैठे पता कर लेंगे कि आपने कुछ गलत किया है।

23 अप्रैल को भारी मतदान कर अच्छे-अच्छों की गर्मी निकालनी है : पीएम मोदी

अहमदाबाद । दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राज्य में तीन जनसभाओं को संबोधित किया। उत्तरी गुजरात के साबरकांठा के हिम्मतनगर में पहली रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 23 अप्रैल को भारी मतदान कर अच्छे अच्छों की गर्मी निकाल देनी है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब यूपीए सरकार ने भाजपा सरकार तोड़ने के भरसक प्रयास किए, परंतु सफल नहीं हुए। अब तो एक चाय वाला प्रधानमंत्री बन गया है और एक चाय वाले के कारण पूरा परिवार जमानत है। मोदी ने कहा कि गुजरातीयों का सीना गर्व चौंड़ा हो ऐसा काम पांच साल में किया है। पांच साल में जेल के दरवाजे तक पहुंचा दिया है और अगले पांच वर्ष में ये सभी भीतर होंगे। महागठबंधन पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारा देश अर्थव्यवस्था में पिछड़ा था, जो आज 5वें पायदान पर आ गया है। अब हमारा लक्ष्य तीसरे क्रमांक पहुंचना है। जो पार्टी लोकसभा की सभी चुनाव नहीं लड़ रही वह प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब देख रही है। अलग अलग राज्यों से प्रधानमंत्री बनने की आवाज उठ रही है। मौजूदा चुनाव तय करेंगे कि इस देश पर शासन कौन करेगा, राष्ट्रवाद को लेकर चलनेवाले या राष्ट्रद्रोहियों की मदद करने वाले। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में राष्ट्रद्रोह कानून खत्म करने का वादा किया गया है। कश्मीर में सैनिक कार्यवाही के दौरान पत्थरबाज पथराव करें, वह देशद्रोह नहीं मानती कांग्रेस। तिरंगा जलाने और उसका वालों को देशद्रोही नहीं मानती कांग्रेस। ऐसी गतिविधियां देश की सुरक्षा और युवाओं के लिए घातक हैं। गांधीजी की कांग्रेस उस जमाने में अंग्रेजों की गोलियों का सहारा लेती थी और आजादी के बाद की कांग्रेस गालीबाज होकर गालियों का सहारा ले रही है। झूठ और गालियां कांग्रेस का नित्यक्रम बन गया है। मोदी ने कहा कि जब मैं गुजरात में था तब कांग्रेस ने अपनी डिक्शनरी की सभी गालियां मेरे खिलाफ उपयोग कर लीं। पहले चाय वाला, अब चौकीदार चोर और अब पूरे समाज को कांग्रेस चोर कहने लगी है। मोदी ने कहा कि लोगों के खिलाफ बटन दबाएं, ताकि उन्हें शाम तक पीड़ा हो।

गुजरात को अस्थिर करने कांग्रेस ने अमित शाह को गिरफ्तार करवाया था : मोदी

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है की जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो कांग्रेस ने गुजरात सरकार को गिराने अमित शाह को गिरफ्तार करवाया था। उन्होंने हिम्मतनगर में कहा, कांग्रेस सत्ता में आई तो पहले गुजरात को बर्बाद कर देगी, क्योंकि कांग्रेस की गुजरात के साथ पुरानी दुश्मनी है। इसलिए मैं फिर से गुजरात में 26 कमल लेने आया हूं।' 'हमें कांग्रेस की गर्मी को दूर करना होगा' प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में आगे कहा, "हमें कांग्रेस की गर्मी को दूर करना होगा। कांग्रेस आजादी में गांधीवादी थी, लेकिन अब वह कांग्रेस पार्टी गालीवादी बन गई है। उन्होंने पहले चायवाले को बदनाम किया, अब चौकीदार को बदनाम कर रही है। वे हमें बदनाम करने के लिए एक भी दिन नहीं छोड़ते हैं। उन्होंने अमित शाह को जेल में डाल दिया था। हमें पांच साल का समय दीजिए, सभी भ्रष्ट नेताओं को जेल में डाल देंगे।" मोदी ने कहा, 'कांग्रेस में दूसरी पार्टी के लोग इकट्ठे हुए हैं और वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। वे यहां एक बयान देते हैं और पाकिस्तान के अखबारों में उनका शीर्षक बन जाता है। कांग्रेस गुजरात को दुश्मन मानती है। यहां तक कि कांग्रेस मोरारजी देसाई को भी दुश्मन मानती थी, अब मुझे दुश्मन मान रही है।' मोदी ने अपनी उप लब्धि का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने 20 साल में 25 लाख घर बनाए, लेकिन हमने पांच साल में 1.50 करोड़ घर बनाए हैं। यहां उन्होंने मतदाताओं में जोश भरते हुए कहा ' मुझे हिम्मतनगर की हिम्मत देखनी है। मैं इज़राइल के प्रधानमंत्री के साथ यहां आया था। आज के चुनाव में पूरा गुजरात भाजपा के साथ है। मुझे 2014 में जो परिणाम आए थे, वैसे ही चाहिये।' अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, 'कांग्रेस के समय में हमारा देश अर्थव्यवस्था में पीछे था और अब पांचवें स्थान पर आ गया है। अब हमारा इरादा तीसरे स्थान पर पहुंचने का है। जो पार्टी देश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने में असमर्थ है, वह पार्टी प्रधान मंत्री बनना चाहती है। प्रधानमंत्री के लिये अलग-अलग राज्यों से अलग-अलग आवाजें आती हैं। यह चुनाव तय करेगा कि देश में राष्ट्रवादी लोग चाहिये या देशद्रोही।' मोदी ने कहा 'डिक्शनरी में जितनी गाली थीं, वह सब कांग्रेस के नेताओं ने बोल दी है। कांग्रेस की परिभाषा है कि कश्मीर में जवानों को पत्थर मारें, राष्ट्रध्वज को जलायें। यह देशद्रोह है। कांग्रेस वही करते हुए पाकिस्तान को खुश कर देश को तोड़ना चाहती है। गांधीजी के समय में, कांग्रेस के लोग गोलियां खाते थे लेकिन अब कांग्रेस के लोग गालियां बोलते हैं। अगर आप कांग्रेस का बटन दबाते हैं तो देश छिन्न-भिन्न हो जायेगा।

गलती से यदि गलत बटन दबा दिया तो सब कुछ तबाह हो जाएगा और उसकी शुरुआत गुजरात से होगी। नेहरू से लेकर नामदार तक चार पीतियां एक ही वादा करती आई है कि गरीबी हम हटाएंगे। लेकिन अब देश का गरीब कहने लगा है कि कांग्रेस के हटते ही गरीबी दूम दबाकर भाग जाएगी। कांग्रेस देश को महंगाई खप्पर झोंकना चाहती है। यूपीए सरकार में महंगाई आसमान छू रही थी और 2014 के चुनाव में महंगाई एक बड़ा मुद्दा था। सरकार ने केन्द्र में सत्ता संभालते ही महंगाई पर लगाई लगाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का झूठ और नीयत उसके चुनावी घोषणा से स्पष्ट हो गई है। हम जो फैसला या वादा करते हैं उसे पूरा करने का प्रयास करना चाहते हैं। गुजरात समेत देश को वंशवाद और परिवारवाद से बचाने की जरूरत है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)